भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2748

(जिसका उत्तर सोमवार 09 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक) को दिया जाना है)

'स्वामी निधि 1.0 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाएं'

2748. **श्री बी.के.पार्थसारथी:**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष विंडो (स्वामी) 1.0 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की राज्यवार संख्या कितनी है;

(ख) इन परियोजनाओं की वर्षवार भौतिक और वित्तीय प्रगति क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा स्वामी 2.0 शुरू किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो देश में उक्त निधि के अंतर्गत प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या का राज्यवार और आंध्र प्रदेश राज्य के लिए जिलावार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री

(श्री पंकज चौधरी)

(क) दिनांक 31 जनवरी 2026 की स्थिति के अनुसार, किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष विंडो (स्वामी) 1.0 ने पूरे भारत में 148 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राज्य-वार ब्यौरा इस प्रकार है:

राज्य	**परियोजनाओं की संख्या**
महाराष्ट्र	55
उत्तर प्रदेश	24
हरियाणा	22
राजस्थान	13
तेलंगाना	7
कर्नाटक	6
पंजाब	5
तमिलनाडु	6
आंध्र प्रदेश	3
उत्तराखंड	2
गुजरात	1
केरल	1
कुल	**145***

**3 परियोजनाएं (महाराष्ट्र में 2 और पंजाब में 1) प्रथम संवितरण के लिए लंबित हैं।*

(ख) भौतिक प्रगतिः

वित्त वर्ष	पोर्टफोलियो में आवास (वित्त वर्ष के अंत तक संचयी)	ऐसे आवास जिनका निर्माण पूर्ण हो चुका है (वित्त वर्ष के अंत तक संचयी)
2020-21	21,167	-
2021-22	48,473	11,014
2022-23	66,513	22,820
2023-24	76,691	31,288
2024-25	84,996	52,467
2025-26#	1,01,443	63,200

वित्तीय प्रगति:

वर्ष	वित्तपोषित परियोजनाएं	वित्तीय वर्ष में समग्र प्रतिबद्धता (करोड़ रुपये में)	वित्त वर्ष के दौरान कुल निवेश (संवितरण) (करोड़ रुपये में)	पूर्ण रूप से समाप्त परियोजनाएं
2019-20	1	123.3	45.3	0
2020-21	37	2,247.5	1,178.2	0
2021-22	35	2,596.3	1,694.8	2
2022-23	28	2,176.3	2,187.6	9
2023-24	16	2,107.2	1,664.1	9
2024-25	10	1,786.7	1,787.3	20
2025-26#	18	3,335.6	1,683.0	17
कुल	**145**	**14,372.9**	**10,240.2**	**57**

 # दिनांक 31 जनवरी 2026 की स्थिति के अनुसार। यह भी ध्यान दिया जाए कि 10,240.2 करोड़ रुपये की कुल संवितरण राशि में से 5,605.2 करोड़ रुपये पहले ही वित्तपोषित परियोजनाओं द्वारा वापस कर दिए गए हैं।

(ग) और (घ) जी नहीं।

*****